

उच्चतर शिक्षा निर्देशालय हरियाणा एवं हरियाणा राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी, पंचकुला के निर्देशन से अग्रवाल महाविद्यालय के सभागार में यूथ रैड क्रॉस और रैड रिबन क्लब के तत्वाधान में विगत स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर संगोभठी और परिचर्चा आयोजित की गई इस अवसर पर महाविद्यालय के यूथ रैड क्रॉस और एन.एस.एस. के सभी स्वयंसेवकों ने भाग लिया । स्वास्थ्य की जानकारी देने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनूप सिंह, डिप्टी सिविल सर्जन, बादगढ़ खान हस्पताल, फरीदाबाद उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो एम.पी.सिंह, आजीवन सदस्य इंडियन रैड क्रॉस सोसायटी, फरीदाबाद ने की यूथ रैड क्रॉस और रैड रिबन क्लब के संयोजक डॉ. जयपाल सिंह और उनकी टीम की सहयोगी डॉ. उभा चौधरी, डॉ. विनोद राठी ने अतिथि महोदय का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया ।

सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजक डॉ. जयपाल सिंह ने यूथ रैड क्रॉस और रैड रिबन क्लब द्वारा किये गये सामाजिक व रचनात्मक कार्यों की रूप रेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत की सतप्रेरणा से युवाओं का सर्वांगीण विकास हो रहा है । विभिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम महाविद्यालय में निरन्तर आयोजित किये जाते हैं । डॉ. जयपाल जी ने विभिन्न बिमारी की प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा की बिमारी खरगोश की तरह आती है व कछुए की तरह जाती है । इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को श्चक्षु के प्रति जागरूक व सजक करने हेतु एक फिल्म भी दिखाई । उन्होंने स्वास्थ्य की जानकारी हेतु 1097 राजकीय हैल्पलाइन की भी चर्चा की ।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. अनूप सिंह ने स्वास्थ्य संबंधी और भिन्न-भिन्न रोगों की जानकारी देते हुए कहा कि हर व्यक्ति को जन्म से लेकर मृत्यु

तक स्वास्थ्य के प्रति सजक रहना चाहिए ८ यदि मृत्यु के बाद भी उसका संस्कार नहीं किया गया तो वह अनेक अनावयक बिमारियों को आमंत्रित कर देता है ८ आज के भौतिकवादी युग में यदि सही मायने में स्वस्थ रहना है तो आचार, विचार और आहार में सकारात्मक बदलाव लाने होंगे क्योंकि आहार का प्रभाव ही विचारों पर पडता है, और विचार से ही उसके आचरण और कर्म पवित्र होते हैं ८ स्वस्थ नियत और नीति से एक स्वस्थ नीयति बनती है ८ सुन्दर स्वास्थ्य के लिए संस्कार, विचार, आहार, योग और व्यायाम मूल मंत्र हैं ८ इस अवसर पर प्रो. एम.पी.सिंह ने भी विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के टिप्स दिये ८ उन्होंने कहा एक स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन का आनन्द ले सकता है ८ आज लोगों के मानसिक दबाव और तनाव का मूल कारण यह है कि आज का व्यक्ति तन और मन की अपेक्षा धन कमाने को ही लक्ष्य मान बैठा है ८ उसकी यही असमानता उसकी अर्गान्ति का कारण है ८ इस अवसर पर उभा चौधरी जी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की स्वस्थ मन का प्रभाव ही स्वस्थ तन पर पडता है ८ इस अवसर पर डॉ. विनोद राठी, डॉ. बाँके बिहारी व डॉ. रामचन्द्र उपस्थित रहे ८